an>

Title: Need for development of solar and wind energy projects in Himalayan Sates.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार) ः आज संपूर्ण देश ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। देश की सभी महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया आदि की सफलता देश में उपलब्ध ऊर्जा पर निर्भर करती है। अगर देश की अर्थ-व्यवस्था को विश्व में हमें तेजी से बढ़ाना है तो पर्याप्त ऊर्जा की आवश्यकता होगी। देश के ऊर्जा संकट से न केवल घरेलू उपभोक्ता परेशान है बल्कि उद्योगों के विकास पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। गंभीर ऊर्जा संकट के मद्देनजर देश के समस्त हिमालयी राज्यों में जल विद्युत परियोजनाओं के लिए सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा की परियोजनाओं का विकास नितांत आवश्यक है। मौसम परिवर्तन क्षेत्र की संवेदनशील परिस्थिति के दृष्टिगत ग्राइड्रो, सोलर-विन्ड जैसी परियोजनाओं के लिए स्पष्ट राष्ट्रीय नीति के साथ-साथ राज्यों को मिनी, माइक्रो प्रोजेक्टों हेतु स्थानीय जनता को प्रोत्साहित किया जाना आवश्यक है। इससे न केवल इन क्षेत्रों में लोगों का पलायन रूकेगा बल्कि क्षेत्र में सामाजिक, आर्थिक परिवर्तन का सूत्रपात होगा। साथ ही इन योजनाओं में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करके इनसे जहां देश का ऊर्जा संकट मिटेगा वहीं संवेदनशील क्षेत्र में पर्यावरण की रक्षा भी हो सकेगी। समृद्ध और श्रेष्ठ भारत का सपना साकार करने के लिए परम्परागत ऊर्जा क्षेत्र में स्पष्ट नीतियों का सृजन आवश्यक है।

मैं सरकार से आग्रह करता हूँ कि समूचे हिमालयी क्षेत्र में सर्वेक्षण करवाकर पंचायत स्तर पर विभिन्न परियोजनाओं के लिए स्थान चिन्हित किए जाएं तथा स्थानीय लोगों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनकी इन परियोजनाओं में भागीदारी सुनिश्चित की जाये ताकि हिमालयी क्षेत्र ऊर्जा के संकट से निजात पा सके।